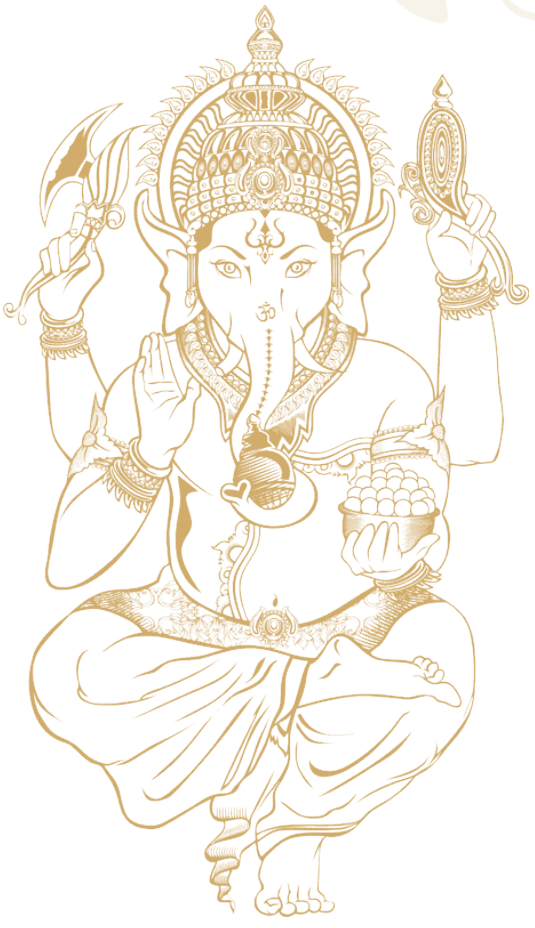

amit

ladki

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121213901

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121213901 Date: 08/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16/04/1998	जन्म तिथि	18-19/11/1998
गुरुवार	दिन	बुध-गुरुवार
घंटे 17:20:00	जन्म समय	05:35:00 घंटे
घटी 28:32:56	जन्म समय(घटी)	56:42:17 घटी
India	देश	India
Hamirpur	स्थान	Hamirpur
31:38:00 उत्तर	अक्षांश	31:38:00 उत्तर
76:36:00 पूर्व	रेखांश	76:36:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:36	स्थानिक संस्कार	-00:23:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:54:49	सूर्योदय	06:54:05
18:52:01	सूर्यास्त	17:23:15
23:49:52	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:18

कन्या	लग्न	तुला
बुध	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
वृश्चिक	राशि	वृश्चिक
मंगल	राशि-स्वामी	मंगल
ज्येष्ठा	नक्षत्र	विशाखा
बुध	नक्षत्र स्वामी	गुरु
2	चरण	4
वरियान	योग	शोभन
कौलव	करण	नाग
या-यतीन्द्र	जन्म नामाक्षर	तो-तोरल
मेष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
विप्र	वर्ण	विप्र
कीटक	वश्य	कीटक
मृग	योनि	व्याघ्र
राक्षस	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
मृग	वर्ग	सर्प

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 8वर्ष 10मा 25दि		13:29:49	कन्या	लग्न	तुला	15:04:36	गुरु 3वर्ष 3मा 2दि	
शुक्र		02:27:30	मेष	सूर्य	वृश्चि	02:36:24	बुध	
12/03/2014		23:01:04	वृश्चि	चंद्र	वृश्चि	00:37:07	20/02/2021	
12/03/2034		08:44:25	मेष	मंगल	कन्या	01:23:21	21/02/2038	
शुक्र	11/07/2017	16:35:13	मीन व	बुध	वृश्चि	23:15:42	बुध	20/07/2023
सूर्य	11/07/2018	22:45:34	कुंभ	गुरु	कुंभ	24:22:28	केतु	16/07/2024
चन्द्र	11/03/2020	17:02:51	कुंभ	शुक्र	वृश्चि	07:34:23	शुक्र	17/05/2027
मंगल	11/05/2021	29:53:45	मीन	शनि व	मेष	04:21:25	सूर्य	23/03/2028
राहु	11/05/2024	15:32:01	सिंह व	राहु व	सिंह	03:01:30	चन्द्र	22/08/2029
गुरु	10/01/2027	15:32:01	कुंभ व	केतु व	कुंभ	03:01:30	मंगल	19/08/2030
शनि	12/03/2030	18:30:56	मक	हर्ष	मक	15:22:52	राहु	08/03/2033
बुध	09/01/2033	08:14:35	मक	नेप	मक	05:57:14	गुरु	14/06/2035
केतु	12/03/2034	13:52:43	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	13:38:19	शनि	21/02/2038

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:49:52 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:18

लग्न-चलित

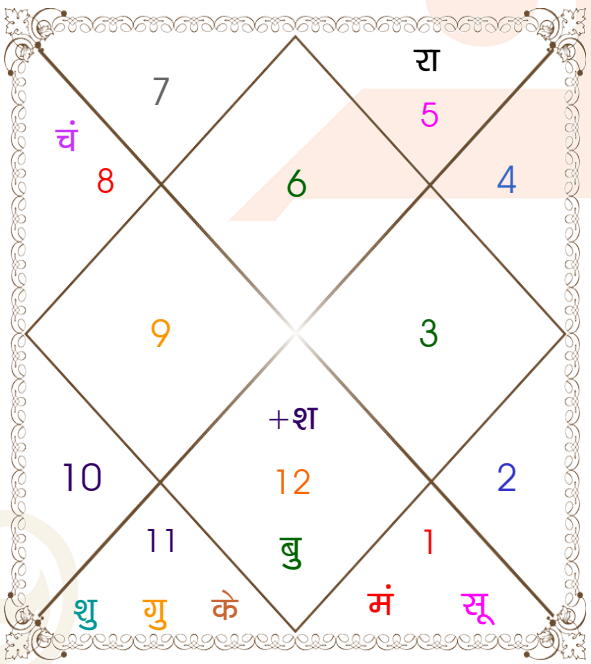

लग्न-चलित

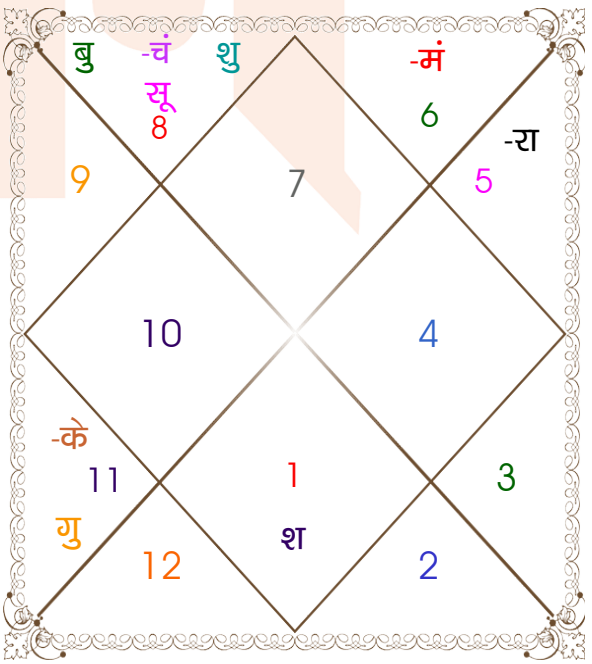

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	कीटक	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	31.50		

कुल : **31.5 / 36**

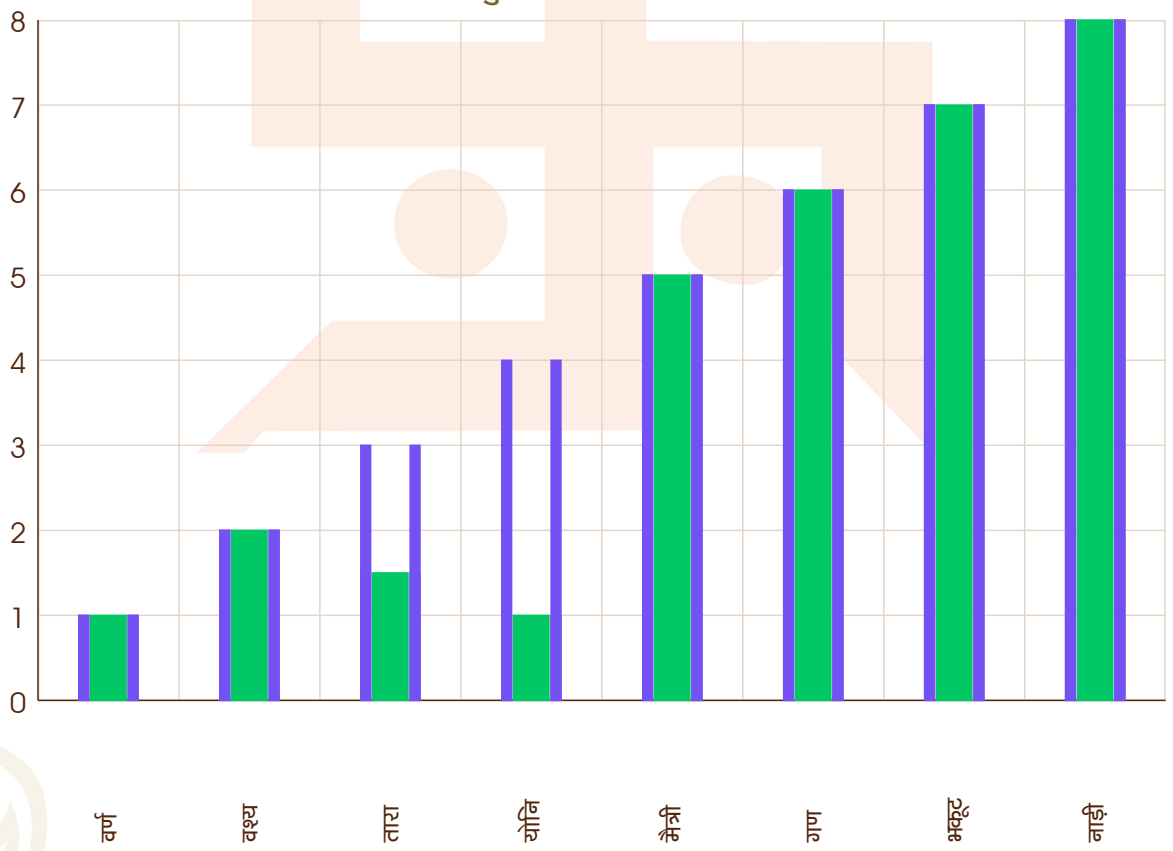

अष्टकूट मिलान

amit का वर्ग मृग है तथा ladki का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार amit और ladki का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

amit मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

ladki मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ladki कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ladki कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु amit कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

amit तथा ladki में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

amit का वर्ण ब्राह्मण तथा ladki का वर्ण भी ब्राह्मण है अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके कारण दोनों के गुण, स्वभाव, आदतें, पसन्द एवं नापसंद सभी एक-समान होंगी। दोनों एक-दूसरे के बिल्कुल अनुरूप एवं अनुकूल साबित होंगे तथा दोनों हमेशा सामाजिक, व्यावसायिक एवं पारिवारिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन में एक-दूसरे की सहायता करेंगे।

वश्य

amit का वश्य कीट है एवं ladki का वश्य भी कीट है। अर्थात दोनों का वश्य समान है। जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। । दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार तथा पसंद/नापसंद एक जैसे होंगे। पति-पत्नी के बीच अगाध प्रेम बना रहेगा। फिर भी दोनों को डंक मारने की आदत बनी रह सकती है। यदा-कदा दोनों के बीच घमासान लड़ाई भी हो सकती है तथा ये एक-दूसरे को शारीरिक नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। अधिकतर समय ये कर्त्तव्यपरायण एवं जिम्मेवार प्रवृत्ति के होंगे तथा इनमें आपसी समझ एवं सद्भाव का बाहुल्य बना रहेगा। इनके बच्चे थोड़े आक्रामक किंतु आज्ञाकारी एवं कर्त्तव्यपरायण होंगे।

तारा

amit की तारा विपत तथा ladki की तारा मित्र है। amit की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। amit एवं amit के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि ladki हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर ladki को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

योनि

amit की योनि मृग है तथा ladki की योनि व्याघ्र है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग- अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि

होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में amit एवं ladki दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि amit एवं ladki दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पत्ति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

amit का गण राक्षस है तथा ladki का गण भी राक्षस है। अर्थात ladki का गण amit के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण amit एवं ladki दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

भकूट

amit एवं ladki दोनों की राशि एक समान ही है इसलिये यह अति उत्तम मिलान है। ऐसा मिलान amit एवं ladki तथा परिवार के चतुर्दिक विकास के मार्ग को प्रशस्त करता है। इन्हें अनेक रूपों में ईश्वरीय कृपा जैसे - सौभाग्य, सम्पत्ति, समाज में मान-सम्मान तथा योग्य संतान आदि प्राप्त होगी।

नाड़ी

amit की नाड़ी आद्य है तथा ladki की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान में शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ का संतुलन होता है। amit की आद्य नाड़ी तथा ladki की अन्त्य नाड़ी अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ एवं मजबूत शरीर, दम्पत्ति के आपसी प्रेम एवं समझदारी की द्योतक हैं। जिसके कारण आपकी संतान स्वस्थ, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

amit और ladki की जन्म राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक राशि है। अतः इसके प्रभाव से इनके मध्य स्वाभाविक समानताएं विद्यमान होंगी जिससे परस्पर दाम्पत्य संबंध मधुर रहेंगे तथा वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा। अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

amit और ladki की राशि का स्वामी मंगल है। अतः amit और ladki के मध्य मित्रता पूर्वक संबध स्थापित रहेंगे। वे एक दूसरे की कमियों की अपेक्षा गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा गलतियों के प्रति क्षमाशीलता का दृष्टिकोण रहेगा। इससे वे दोनों सुख एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। वे एक दूसरे के प्रति प्रेम सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा एवं सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। इससे वैवाहिक जीवन में अप्रिय स्थितियों से हमेशा सुरक्षित रहेंगे।

amit और ladki की राशियां परस्पर प्रथम-प्रथम भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से amit और ladki एक दूसरे के आस्तित्व को सम्मान पूर्वक स्वीकार करेंगे तथा दैनिक जीवन में एक दूसरे के कार्यो में हस्तक्षेप कम ही करेंगे। अपनी इस प्रवृति से उनके दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति समर्पण की भावना से सुख शांति पूर्वक अपना सुखी वैवाहिक जीवन का उपभोग करेंगे।

amit एवं ladki दोनों का वश्य कीट है। अतः इनकी अभिरूचियों में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं समान होंगी। अतः काम संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में भी समर्थ रहेंगे।

amit एवं ladki दोनों का वर्ण ब्राह्मण है। अतः इनकी प्रवृति शैक्षणिक धार्मिक तथा सत्कार्यो के प्रति रहेगी तथा कार्य क्षेत्र को सुदृढ़ बनाने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार कार्य क्षमता में समानता के कारण किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा ।

धन

amit और ladki की आर्थिक स्थिति पर तारा तथा भकूट का कोई भी शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से इच्छित धन एवं लाभ अर्जित करने में वे समर्थ होंगे तथा उनके लाभ मार्ग भी नित्य प्रशस्त रहेंगे। लेकिन ladki पर मंगल का प्रभाव अच्छा नहीं रहेगा फलतः यदा कदा इनके द्वारा आर्थिक स्थिति में अल्प समय के लिए दम्पति को विषमता का आभास हो सकता है।

amit की प्रवृति भी अनावश्यक व्यय करने की होगी तथा जुए या अन्य व्यसनों में वे अधिक व्यय करेंगे अतः यदि वे ऐसी प्रवृतियों की उपेक्षा करें तथा बुद्धिमतापूर्वक उपार्जित धन को व्यय करें तो उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी तथा भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना जीवन आनन्दपूर्वक व्यतीत करने में समर्थ हो सकेंगे।

स्वास्थ्य

amit आद्य तथा ladki अन्त्य नाड़ी में उत्पन्न हुई हैं। अतः अलग अलग नाड़ी होने के कारण नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे परन्तु मंगल के प्रभाव से दोनों को समय समय पर शारीरिक कष्ट की प्राप्ति होती रहेगी। इससे दोनों गुप्त रोग या धातु संबंधी रोगों से परेशान रहेंगे तथा हृदय संबधी कोई कष्ट भी हो सकता है। amit की रतिक्रिया में शिथिलता रहेगी जबकि ladki की संभोग के प्रति उनके मन में उदासीनता का भाव रहेगा फलतः दोनों का दाम्पत्य जीवन सुखमय नहीं होगा। अतः इस प्रभाव की न्यूनता के लिए amit और ladki को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से amit और ladki का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति ladki के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्यमान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः ladki को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

amit और ladki बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः amit और ladki का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

ladki के अपने सास से सामान्य संबध रहेंगे तथा परस्पर सामंजस्य से मधुरता बनी रहेगी यद्यपि इनके मध्य यदा कदा विवाद या मतभेद उत्पन्न होंगे परन्तु उनका बुद्धिमता से समाधान करने में दोनों को सफलता प्राप्त होगी। साथ ही ladki यत्नपूर्वक सास की सुख सुविधाओं का ध्यान रखकर उनकी सेवा में तत्पर रहेंगी।

लेकिन ससुर से पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति अर्जित करने में ladki को कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथा उनकी तरफ से समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी। परन्तु ननद एवं देवरों से संबधों में मधुरता रहेगी तथा उनका व्यवहार मित्रवत रहेगा फलतः उनसे पूर्ण

स्नेह एवं सहानुभूति प्राप्त होगी।

इस प्रकार ladki को ससुराल में सामान्य रूप से अनुकूल वातावरण मिलेगा तथा किंचित असुविधाओं का सामना करके वह सामंजस्य स्थापित करने में सफल हो सकेंगी।

ससुराल-श्री

amit की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर amit सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन amit ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का amit के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।